दिनांकः 26.11.2024 समय : 01:00 पी.एम.

.....

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय संविधान को जीवंत और प्रगतिशील दस्तावेज बताया है जिसके माध्यम से देश ने सामाजिक न्याय और समावेशी विकास के लक्ष्यों को प्राप्त किया है। संविधान दिवस के अवसर पर आज नई दिल्ली के संविधान सदन के केन्द्रीय कक्ष में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि सरकार ने हाल के वर्षों में समाज के सभी वर्गों, विशेषकर कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि गरीबों को अपना घर मिल रहा है और देश में विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा विकसित किया जा रहा है। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि यह महत्वपूर्ण दिन एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है क्योंकि देश अपने संविधान को अपनाने के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहा है, जो दुनिया के सबसे बड़े और सबसे गतिशील लोकतंत्र के लिए एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भारतीय संविधान देश के लोगों की वर्षों की तपस्या, त्याग, सरलता और शक्ति का परिणाम है। उन्होंने सांसदों से अपने क्षेत्रों में लोगों के बीच संविधान को अपनाने के 75 साल पूरे होने का जश्न मनाने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान, राष्ट्रपति ने एक स्मारक सिक्का और एक डाक टिकट जारी किया। "भारतीय संविधान का निर्माणः एक झलक" और "भारतीय संविधान का निर्माण और इसकी गौरवशाली यात्रा" नामक पुस्तकों का भी विमोचन किया गया। संस्कृत और मैथिली भाषा में संविधान का विमोचन भी किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कई केंद्रीय मंत्री, लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के नेता, संसद सदस्य और अन्य गणमान्य व्यक्ति इस कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रदेश में भी संविधान दिवस समारोहपूर्वक मनाया जा रहा है। कोटा, बारां, भरतपुर, करौली, सवाईमाधोपुर, हनुमानगढ़, पाली, झालावाड़, अलवर, डूंगरपुर और बाडमेर में सूचना और जनसंपर्क विभाग की ओर से जिला स्तरीय प्रदर्शनी लगाई गई है। यहां संगोष्ठी भी आयोजित की जा रही है। डूंगरपुर शहर में पदयात्रा भी निकाली गई। इसके माध्यम से संविधान के प्रति लोगो को जागरूक किया गया। वही शपथ भी दिलाई गई। जयपुर में चित्रकूट स्टेडियम से दोपहर बाद पदयात्रा

आयोजित होगी। इसमें खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और 15,000 से अधिक युवा हिस्सा लेंगे। प्रतिभागी संविधान की प्रस्तावना का वाचन करेंगे। सेना, पुलिस और शैक्षणिक संस्थानों द्वारा बैंडवादन और सेल्फी बूथ मुख्य आकर्षण होंगे। श्रीगंगानगर जिले के सरकारी शिक्षण संस्थाओं के साथ कार्यालयों में संविधान में भागीदारी के तहत मतदान करने के लिए जागरूक किया गया। साथ ही मतदान करने की शपथ दिलाई गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तहत निजी शिक्षण संस्थान में कार्यशाला भी रखी गई।गौरतलब है कि भारत देश का संविधान 26 नवम्बर, 1949 को अंगीकार किया गया था और यह 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ था।

.....

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में श्री मोदी ने कहा कि संविधान राष्ट्र का मार्गदर्शक है।

.....

प्रदेश के 49 शहरी निकायों का संचालन अब प्रशासक करेंगे। इन निकायों के बोर्ड का कार्यकाल कल खत्म हो गया। चुनाव नहीं होने के कारण स्वायत्त शासन विभाग ने यहां प्रशासक नियुक्त कर दिए है। इनमें पांच नगर निगम, 18 नगर परिषद और 26 नगर पालिका है। नगर निगमों में जिला कलक्टर, नगर परिषदों में एडीएम और नगर पालिकाओं में एसडीएम को जिम्मेदारी दी गई है। जिन 49 निकायों का कार्यकाल खत्म हुआ है, उनमें अलवर, भरतपुर, पाली, बीकानेर और उदयपुर नगर निगम शामिल है। अब नया बोर्ड बनने तक इन निकायों में प्रशासक सभी निर्णय करते हुए सरकार के पास प्रस्ताव भिजवाएंगे।

.....

आज राष्ट्रीय दुग्ध दिवस है। यह दिवस देश में श्वेत क्रांति के जनक डॉ. वर्गीस कुरियन की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। आज डॉक्टर कुरियन की 103वीं जयंती के उपलक्ष्य में, नई दिल्ली में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रम में देश की अर्थव्यवस्था और पोषण सुरक्षा में डेयरी क्षेत्र के योगदान को प्रदर्शित किया जाएगा। इस अवसर पर केंद्रीय मत्स्य–पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह पशुधन और डेयरी क्षेत्र के लिए गोपाल रत्न पुरस्कार प्रदान करेंगे।